

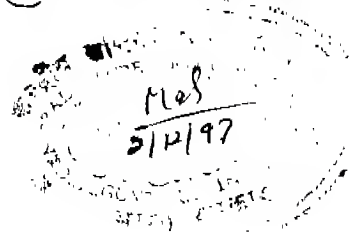


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I  
PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 202 ]  
No. 202]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 14, 1997/आश्विन 22, 1919  
NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 14, 1997/ASVINA 22, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1997

अंतिम जांच परिणाम

विषय : थाइलैंड, कोरिया गणराज्य तथा यू.एस.ए. में एक्रिलिक फाइबर के आयात से संबंधित पाटन रोधी जांच-अंतिम जांच-परिणाम

सं. 47/ए.डी.डी./डब्ल्यू :— वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमा टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क की पहचान, आकलन तथा वसूली एवं क्षति का निर्धारण) नियम, 1995 को देखते हुए ;

क. प्रक्रिया

- नीचे वर्णित जांच-प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :—
  - निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) दिनांक 31 मार्च, 1997 की अधिसूचना संख्या 47/ए.डी.डी./डब्ल्यू के द्वारा प्रारम्भिक जांच परिणाम अधिसूचित कर दिया था और संबद्ध पक्षों से निवेदन किया गया था कि वे प्रकाशन की तिथि से 40 दिन के भीतर लिखित रूप से अपने-अपने विचार व्यक्त करें।
  - प्रारम्भिक जांच परिणाम के प्रति भेजते हुए प्राधिकारी ने सभी ज्ञात संबद्ध पक्षों से निवेदन किया था कि वे इस पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर प्रारम्भिक जांच परिणाम पर अपने-अपने विचार अगर कोई हों प्रस्तुत कर दें।
  - प्राधिकारी ने प्रारम्भिक जांच परिणामों की एक-एक प्रति थाइलैंड संयुक्त राज्य अमरीका (जिसे इसके बाद यू.एस.ए. कहा जाएगा) और कोरिया गणराज्य (जिसे इसके बाद कोरिया या कोरिया आर.पी. कहा जाएगा) के नई दिल्ली स्थित दूतावास को इस निवेदन के साथ भेजी थी कि निर्यातकों और अन्य संबद्ध पक्षों को प्रारम्भिक जांच परिणाम पर अपने-अपने विचार व्यक्त करने की सलाह दी जाय ;

- (iv) प्राधिकारी ने दिनांक 7 जुलाई, 1997 को संबद्ध पक्षों के मौखिक रूप से विचार जानने के लिए सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षों से आग्रह किया गया था कि सुनवाई में मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाए। भाग लेने वाले पक्षों को सलाह दी गई थी कि विरोधी पक्षों द्वारा लिखित रूप में दिए गए विचारों की प्रति लेकर उनके बारे में अपना प्रत्युत्तर प्रस्तुत करें। निम्नलिखित पक्षों ने सुनवाई में भाग लिया।
- याचिकाकर्ता
  - थाई एक्रिलिक फाइबर कम्पनी, थाइलैंड—सोधे ही तथा अपने प्रतिनिधियों, मैसर्स लक्ष्मीकुमारन एण्ड श्री धरन् के माध्यम से ;
  - साइटेक इण्डस्ट्रीज, यू एस ए—अपने प्रतिनिधियों, मैसर्स अमरचन्द एण्ड मंगलदास एवं सुरेश ए. श्रौफ एण्ड कं. के माध्यम से ;
  - मोसान्तो कम्पनी, यू एस ए ;
  - राजस्थान स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लि. ;
  - इण्डियन स्पिनर्स एसोसिएशन ;
  - नाहर स्पिनिंग मिल्स लि. ;
  - आदिनाथ टेक्साइल्स लि. ;
- (v) उक्त नियम के नियम 16 के अनुसार, जांच परिणामों के लिए विचार किये गए सभी अनिवार्य तथ्यों/आधारों की जानकारी सभी ज्ञात संबद्ध पक्षों को दी गई थी। उस पर प्राप्त हुई टिप्पणियों पर भी जांच परिणामों में विचार किया गया है।
- (vi) इस जांच-प्रक्रिया को केन्द्र सरकार द्वारा बताई गई समय-सीमा के भीतर पूरा कर लिया गया है।
- (vii) जिस सूचना को किसी भी हितबद्ध पक्ष ने गोपनीय होने का दावा किया है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उसे गोपनीय सूचना के रूप में स्वीकार किया है, उसे इस अधिसूचना में प्रकाशित नहीं किया गया है। इस अधिसूचना में दिया गया चिह्न “\* \* \*” गोपनीय सूचना का संकेत देता है।

### ख. याचिकाकर्ता के विचार

3. याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित मुद्दों को उठाया है :

- (i) संबद्ध देशों के निर्यातकों ने अपने उत्पाद को भारतीय बाजार में पाटित करना जारी रखा है। इन देशों से पाटन बढ़ा है, जो इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि यू एस ए और थाइलैंड के निर्यातकों ने अपनी कीमतों को घटाकर 1.375 और 1.450 अमरीकी डालर कर दिया है। यह कीमत जांच अवधि की कीमतों से 25—40% कम है। याचिकाकर्ताओं ने यू एस ए से 1.375 अमरीकी डालर की निर्यात कीमत को प्रमाणित करने के लिए दिनांक 25-7-1996 का एक बीजक प्रस्तुत किया ;
- (ii) इन देशों से होने वाले आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति का निरन्तर खतरा बना हुआ है ;
- (iii) जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री और भी कम हुई होती अगर घरेलू उद्योग कीमतों को कम करके बिक्री को बढ़ाने का प्रयास नहीं करता ;
- (iv) घरेलू उद्योग का भण्डार जाँच अवधि के अन्त में ही नहीं अपितु समूची जाँच अवधि के दौरान भी महत्वपूर्ण रूप से अधिक था ;
- (v) उत्पादन लागत से कम कीमत पर एक्रिलिक फाइबर की बिक्री करने से घरेलू उद्योग को ही नहीं अपितु समूचे भारतीय उद्योग को भी वित्तीय घाटा हुआ ;
- (vi) प्राधिकारी द्वारा अनन्तिम शुल्कों की सिफारिश के समय सीमाशुल्कों में 45% से 30% तक की कटौती पर विचार नहीं किया गया था और अन्तिम जाँच परिणाम के लिए इस पर विचार किया जाना चाहिए ;
- (vii) घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले विविध कारक सामूहिक और समेकित रूप से यह प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ;
- (viii) थाई एक्रिलिक का यह दावा कि “क” पंक्ति से उसका उत्पादन सस्ता है और “ख” पंक्ति से उसकी घरेलू बाजार में बिक्री अधिक है, प्राधिकारी को भ्रम में डालने वाला प्रतीत होता है ;
- (ix) साइटेक का यह दावा कि यू एस में घरेलू बाजार में अंतिम उपयोग पर दी जा रही छूट को स्वीकृति देनी चाहिए, अमान्य है ;
- (x) सभी प्रमुख स्पिनिंग कम्पनियों का वित्तीय विवरण और तुलना-पत्र यह दर्शाता है कि गत तीन वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि और लाभ हुआ है। ये कम्पनियाँ इन देशों की पाटित कीमतों से लाभान्वित हुई हैं ;

- (xi) उपभोक्ताओं के इस दावे का कोई आधार नहीं है कि प्रति-पाटन शुल्क बुने हुए वस्त्रों के निर्यात को प्रभावित करेगा क्योंकि निर्यातों के लिए आयातित सामग्री पर निर्यातकों को कोई शुल्क (प्रति पाटन शुल्कों सहित) नहीं देना पड़ता है;
- (xii) खराब गुणवत्ता का दोषारोपण, वस्तुओं की अनापूर्ति या कीमतों के उतार-चढ़ाव की बात मान्य नहीं है।

**ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार**

4. निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ता संगठनों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार संक्षिप्त में निम्नानुसार हैं:

- (i) **साइटेक इंडस्ट्रीज**
- (क) **सामान्य मूल्य पर**
- (i) साइटेक अपनी बिक्री घरेलू बाजार में केवल स्पिनर्स को तथा निर्यात बाजार में करता है। यार्न के अन्तिम प्रयोग के आधार पर साइटेक यार्न के अन्तिम उपभोक्ता को छूट देता है। यह छूट एक पूर्वनिर्धारित छूट कार्यक्रम के अन्तर्गत दी जाती है।
- (ii) इस छूट की इस आधार पर अनुमति नहीं देना गलत है कि साइटेक द्वारा निर्यात बाजार में कोई छूट नहीं दी जाती है। सामान को फैक्टरी से भेजते समय कम्पनी द्वारा पैकिंग पर किए गए खर्च सहित सभी खर्च को घटाना जरूरी है। सामान्यतः जिन मर्चों के बारे में समायोजन किया जा सकता है उनमें शामिल हैं—भौतिक विशेषताएँ, आयात प्रभार, अप्रत्यक्ष कर छूट, रियायतें तथा मात्राएँ, व्यापार का स्तर, ट्रांसपोर्ट, बीमा, रख रखाव, लदान तथा संबंधित लागत, पैकिंग, ऋण बिक्री-पश्चात् लागत, कमीशन तथा मुद्रा-विनिमय।
- (iii) यूरोपीय कमीशन रेगुलेशन के अनुच्छेद 2 (10) (ग) में यह प्रावधान है कि छूट तथा रियायतों में अन्तर के लिए समायोजन किया जाएगा, यदि;
- जाँच के अंतर्गत छूट प्रत्यक्षतः बिक्री से जुड़ी है,
  - छूट का वास्तविक भुगतान किया जाता है;
  - छूट की राशि तय होती है अथवा निर्धारित की जाती है;
  - छूट मानक व्यापार प्रथा अथवा एक पूर्व स्थापित दर-सूची पर आधारित होती है;
  - छूट असंबद्ध क्रेताओं को दी जाती है;
- (iv) मौजूदा मामले में छूट जाँच के अंतर्गत प्रत्यक्षतः बिक्री से जुड़ी है, इसका वास्तव में भुगतान किया गया है, यह एक स्थापित दर कार्यक्रम के तहत थी और असंबद्ध व्यक्तियों को दी गई थी। इस छूट की कटौती की जानी है।
- (v) आस्ट्रेलियाई कानून पर भी विचार करते हुए घरेलू बाजार में की गई 1.5 डेनियर बिक्री पर दी गई छूट की कटौती सामान्य मूल्य में से की जानी है (जहाँ घरेलू बिक्री के संबंध में व्यापार किया जाता है) जो निर्यात बिक्री के मामले में नहीं किया जाता है) वहाँ ऐसे व्यापार के कीमत की कटौती की जानी है।
- (vi) अमरीकी कानून के अंतर्गत भी जब विक्रेता छूट देने वाली शर्तें तय करता है, तो वाणिज्य विभाग छूट की राशि में से समग्र बिक्री कीमत की कटौती करता है।
- (vii) **वाणिज्यिक व्यय** :—प्राधिकारी द्वारा बिक्री खर्चों की अनुमति न देना गलत है। तकनीकी फाइबर व्यापार में योगदान देने वाले खर्चों की कटौती करना अनिवार्य हो जाएगा। बिक्री खर्चों के सम्पूर्ण व्यौरों में शामिल हैं—वेतन, यात्रा और जाँच दल को कम्पनी द्वारा दिए गए घरेलू बिक्री से संबंधित लागत।
- कुल 0.0543 अमरीकी डालर प्रति पौंड अभिकलित घरेलू वाणिज्यिक व्यय की प्राधिकारी द्वारा स्वीकृति दी जाए।
- (viii) **निगम व्यय** : प्राधिकारी द्वारा निगम व्यय की अनुमति न दिया जाना गलत है। मूल निगम द्वारा एक्रिलिक फाइबर के व्यापार हेतु मुहैया कराई गई सेवाओं के लिए किए गए आवंटन में निगम व्यय भी शामिल है और यह घरेलू बिक्री और निर्यात बिक्री दोनों पर समान रूप से लागू होता है।
- (ख) **क्षति पर**
- निम्नांकित को देखते हुए घरेलू उद्योग को साइटेक के निर्यात के परिणामस्वरूप कोई क्षति नहीं हुई है।
- (i) वर्ष 1992-93 और 1993-94 की अपेक्षा वर्ष 1994-95 में बिक्री बढ़ी है;
- (ii) वर्ष 1992-93 और 1993-94 की तुलना में वर्ष 1994-95 में सभी विनिर्माताओं के भंडार में कमी आई है;
- (iii) घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत साइटेक की अपेक्षा खासकर इसकी मितव्ययिता के कारण अधिक है। इसकी उत्पादन लागत एक्रिलोनाइट्रायल की कीमत में वृद्धि के कारण बढ़ी;

- (iv) साइटेक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को सिर्फ 103.78 मी. टन का निर्यात किया है जो वर्ष 1995-96 के 5622 मी. टन के कुल आयातों की तुलना में बहुत कम है ;
- (v) साइटेक से हुए आयातों की पहुँच कीमत याचिकाकर्ता द्वारा दावा किए गए मूल्य से अधिक थी;
- (vi) आयातों का रुख इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए पर्याप्त नहीं है कि एक्रिलिक फाइबर के निर्यात से खासकर साइटेक से घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई है ।

( ii ) मोनसेन्तो कंपनी

- (1) मोनसेन्तो कंपनी ( जिसे इसके बाद मोनसेन्तों कहा जाएगा ) ने दावा किया कि इसके बिक्री रिकार्ड से वर्ष 1991 से 1996 तक के गत पाँच वर्षों के दौरान भारत को एक्रिलिक फाइबर के किसी पोतलदान का पता नहीं चलता है । कंपनी ने विभिन्न देशों को की गई बिक्री को दर्शाने वाले अपने बिक्री के आंकड़े की प्रति संलग्न की है । कंपनी ने दावा किया कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है और ऐसा मानने के लिए कोई कारण नहीं है कि मोनसेन्तों के प्रथम श्रेणी के फाइबर के किसी ग्राहक ने भारत को इस प्रथम क्वालिटी के फाइबर की पुनः बिक्री की है ।
- (2) मोनसेन्तों ने आगे दावा किया कि उसने एक कम्पनी को निम्न श्रेणी के एक्रिलिक फाइबर की बिक्री की थी । संभवतः उसने भारत को भी निम्न श्रेणी का एक्रिलिक फाइबर निर्यात किया है, जो कंपनी की जानकारी में नहीं है ।

( iii ) थाई एक्रिलिक फाइबर :

- (क) प्राधिकारी द्वारा विचार की जा रही जाँच अवधि भी वही थी जिस अवधि में एक्रिलोनाइट्रायल की कीमतें बहुत अधिक थी । एक्रिलोनाय-ट्रायल की उच्च कीमतों का भार पूर्ण रूप से एक्रिलिक फाइबर के उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जा सकता था । प्रारंभिक जाँच परिणाम में प्राधिकारी ने जाँच अवधि निश्चित करने के संबंध में कोई कारण दर्ज नहीं किया है और जाँच अवधि के निर्णय में पक्षपात किए जाने के आधार पर प्रारंभिक जाँच परिणामों को तथा जाँच को रद्द किया जाए ।
- (ख) यह तर्क कि जे के एक्रिलिक ने पाटन के कारण उत्पादन रोक दिया है सही नहीं है । कंपनी ने आज की तारीख तक उत्पादन शुरू नहीं किया है । कंपनी अन्य मंचों पर दिक्कतों का सामना कर रही है ।
- (ग) इस तर्क का, कि भारतीय उद्योग की वर्ष 2000 ईस्वी तक 120000 मी. टन की मांग की तुलना में 165000 मी.टन की क्षमता है अर्थ यह नहीं है कि यह पर्याप्त क्षमता है और इसलिए आयात की आवश्यकता नहीं है ।
- (घ) घरेलू उद्योग का यह दावा कि एक्रिलिक फाइबर पर सीमाशुल्क कम किए जाने के तथ्य को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि कच्चे मालों, खासकर एक्रिलोनाइट्रायल पर भी शुल्क में कमी आई है ।
- (ङ) पाटन पर : प्राधिकारी को निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए पाटन सीमा का पुनर्निर्धारण करना चाहिए :

- (i) पैरा 19 (1) के अंतर्गत अधिसूचित प्रारम्भिक जाँच परिणाम में दिया गया यह निष्कर्ष गलत है कि सामान्य मूल्य चार आदेशों पर आधारित था । सामान्य मूल्य चार उपभोक्ताओं को वास्तविक रूप से आपूर्ति किए गए एक्रिलिक फाइबर की मात्रा पर आधारित था जो कि घरेलू बाजार की कुल बिक्री का 96% होता था । कंपनी ने घरेलू बिक्री के बाकी बचे 4% के बारे में भी अब सूचना उपलब्ध कराई है । तदनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए ।
- (ii) कम्पनी द्वारा छूटों, कमीशनों और ब्याज के जो दावे किए गए हैं, वे सभी वास्तविक राशियों पर आधारित हैं जिसके बारे में पूरी सूचना जाँच दल को उपलब्ध कराई गई थी । यह सूचना पुनः अनुस्मारक में उपलब्ध कराई गई है तथा दावा की गई कटौतियों का पुनः निर्धारण उस सूचना के आधार पर होना चाहिए जोकि अब उपलब्ध कराई गई है ।
- (iii) भंडारण के लिए दावे की अनुमति दी जानी चाहिए । कंपनी ने अनुस्मारक में धारण अवधि के बीजकवार विस्तृत विवरण उपलब्ध कराए हैं ।
- (iv) लाइन-I तथा II से उत्पादन में लागत-अंतर के कारण कटौती की अनुमति दी जानी चाहिए । निर्यातक को लाइन II पर एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन करने में ज्यादा लागत आई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू बाजार में पहले से ज्यादा कीमत हो गई ।
- (v) प्राधिकारी ने शुल्क वापसी की जिस राशि का निर्धारण किया है उसके विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं है । इसलिए निर्यातक द्वारा कोई अतिरिक्त विवरण या टिप्पणियाँ प्रस्तुत नहीं की जा सकती हैं ।
- (vi) निर्यातक ने भारत को निर्यात किए जाने हेतु सम्पूर्ण जाँच अवधि के दौरान समुद्री भाड़े का अब विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है तथा दावा किया है कि अब जो सूचना उपलब्ध कराई गई है उसके आधार पर समुद्री भाड़े की राशि का समायोजन किए जाने की अनुमति दी जानी चाहिए ।

- (vii) निर्यात खेपों पर हुई भंडारण लागत का विस्तृत विवरण बीजक बार प्रस्तुत किया गया है तथा प्राधिकारी को निर्यात के मामले में औसत भंडारण अवधि के आधार पर समायोजन की अनुमति देनी चाहिए।
- (च) क्षति और कारणात्मक संबंध पर
- (1) घरेलू उद्योग को 122 रु. प्रति किग्रा. वसूली करनी चाहिए थी (सीमाशुल्क और प्रतिकारी शुल्क सहित थाईलैण्ड से आयात की पहुँच कीमत) जबकि प्राधिकारी के जाँच परिणाम के आधार पर वसूली 119 रु. प्रति किग्रा. थी। इसलिए मूल्य में गिरावट पर आधारित क्षति संबंधी सम्पूर्ण जाँच-परिणाम वास्तव में गलत है।
- (2) तथाकथित पाटित आयातों और प्रारंभिक जाँच परिणाम में घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध अस्पष्ट हैं। यह मानते हुए कि सीमा शुल्क में कटौती पाटन पर अपने आप में कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और कारिया तथा यू एस ए से निर्यात पर पाटन में मार्जिन एक निर्यातक को छोड़कर थाईलैण्ड की तुलना में काफी अधिक है, घरेलू उद्योग को क्षति थाईलैण्ड द्वारा किए गए पाटन से इतर कारणों की वजह से हुई है।

#### (IV) अन्य हितबद्ध पार्टियाँ

उपभोक्ताओं, आयातकों, व्यापार संगठनों और अन्य हितबद्ध पार्टियों ने निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं :

- (i) एक्रिलिक फाइबर का आयात एक्रिलिक यार्न के निर्यात के लिए किया गया है। यदि आयातित एक्रिलिक फाइबर की मात्रा और निर्यातों के लिए उपभोग की गई मात्रा को निकाल दिया जाए, तो शेष मात्रा देशी क्षमता और वार्षिक उत्पादन का एक बहुत छोटा हिस्सा बनती है ;
- (ii) भारतीय फाइबर की गुणवत्ता आयातित सामग्री से बहुत घटिया है ;
- (iii) आयात शुल्क विसकोस फाइबर पर 25 प्रतिशत है जबकि एक्रिलिक फाइबर पर 30 प्रतिशत है। एक्रिलिक फाइबर उच्च शुल्क द्वारा पहले से ही अत्यधिक संरक्षित है ;
- (iv) एक्रिलिक फाइबर पर प्रतिपाटन-शुल्क लगाने से निटवियर बनाने वाली छोटे क्षेत्रों की लगभग 50000 इकाइयों को भारी क्षति होगी ;
- (v) एक्रिलिक फाइबर के उत्पादकों की समस्याएँ आयातों से उत्पन्न नहीं हैं, बल्कि यह उनकी अपनी प्रबंधकीय और प्रौद्योगिकी संबंधी कमियों की वजह से हैं। जे के सिंथेटिक्स को आयातों के कारण बन्द नहीं किया गया है बल्कि उनकी अपनी वित्तीय और अन्य समस्याओं के कारण ऐसा हुआ है ;
- (vi) जैसे ही प्रति-पाटन शुल्क लगाया गया, घरेलू उद्योग ने कीमतें लगभग 89 रु. प्रति किग्रा. से बढ़ाकर 95 रु. प्रति किग्रा. कर दी ;
- (vii) गीले स्पन फाइबर की तुलना में सूखे स्पन फाइबर का कार्य निष्पादन 5 प्रतिशत कम है ;
- (viii) पशुपति एक्रिलोम फाइबर की गुणवत्ता बहुत उत्तम है लेकिन दूसरों की गुणवत्ता तुलनीय नहीं है। देश में फाइबर का आयात अनिवार्य है ;
- (ix) पशुपति द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर के अतिरिक्त, अन्य भारतीय फाइबर में निम्नलिखित खामियाँ हैं :
- भारतीय एक्रिलिक के मामले में फाइबर की मजबूती कमजोर है ;
  - डाई पिक-अप 5% से 7% तक कम है ;
  - फाइबर का लदान 6% से 8% तक कम है ;
  - यार्न का अशुद्धता का स्तर अधिक है ;
  - निर्यात के लिए उच्च गुणवत्ता का यार्न पशुपति फाइबर को छोड़कर घरेलू फाइबर द्वारा उत्पादित नहीं किया जा सकता।
- (x) भारतीय उत्पादकों की फाइबर कीमत में लचीलापन बहुत अधिक है।
- (xi) भारतीय उत्पादकों से फाइबर की उपलब्धता में अनेक समस्याएँ हैं।
- (xii) जैसाकि प्रारंभिक निष्कर्षों में बताया गया था, घरेलू उद्योग के पास स्टॉक स्तर अधिक नहीं थे।
- (xiii) जो उपभोक्ता यार्न निर्यात कर रहे हैं, उन्हें आवश्यक रूप से फाइबर का आयात करना पड़ा क्योंकि घरेलू उद्योग अग्रिम लाइसेंस पर आपूर्ति नहीं कर रहा है।
- (xiv) यदि कोई प्रति-पाटन शुल्क लगाया जाता है तो निर्यात-पूर्व शुल्क पात्रता पास बुक योजना के तहत आयातों को ऐसे शुल्क के भुगतान से छूट दी जानी चाहिए।

**घ. प्राधिकारी द्वारा जांच**

5. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुरोधों की जांच की गई, उन पर विचार किया गया और जहां उपयुक्त समझा गया उन पर आगे विचार किया गया है।

**ङ. समान वस्तुएं और घरेलू उद्योग**

6. नियम 2 (घ) के तहत "समान वस्तु" का अर्थ है वस्तु जो भारत में डम्प किए जाने के लिए जांच के अधीन वस्तु के हर तरह से समरूप अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में, ऐसी अन्य वस्तु जो यद्यपि हर तरह से समान नहीं है, लेकिन जांच के अधीन वस्तुओं से बहुत मिलती-जुलती विशेषताएँ रखती हैं।
7. जैसा कि प्रारंभिक निष्कर्षों में बताया गया है, विचाराधीन उत्पाद, जो डम्पिंग के लिए जांचा गया है, एक्रिलिक फाइबर है।
8. यह तर्क दिया गया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर की गुणवत्ता की तुलना आयातित फाइबर के साथ नहीं की जा सकती है। पार्टियों में से एक, मैसर्स श्रुति सिंथेटिक लि. ने यह भी तर्क दिया है कि पशुपति द्वारा उत्पादित फाइबर उत्तम गुणवत्ता का है। लेकिन किसी भी हितबद्ध पार्टी (यों) द्वारा विवाद नहीं उठाया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु का सम्बद्ध देशों से आयातित वस्तु के साथ वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों रूप से स्थानापन्न हो सकता है। इसलिए, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं जांच के अधीन वस्तुओं से बहुत मिलती जुलती विशेषता रखती हैं और नियम 2 (घ) के तहत परिभाषा में निर्धारित मानदण्ड को पूरा करती हैं।
9. प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 9 की पुष्टि करते हैं और इस बात की भी पुष्टि करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एक्रिलिक फाइबर उपर्युक्त नियमों के अर्थ के अन्तर्गत विचाराधीन उत्पाद, अर्थात् कथित देशों के उद्गम वाले या वहाँ से निर्यात किए गए एक्रिलिक फाइबर के समान उत्पाद हैं।

**(च). पाटन**

10. धारा 9क(1) (ग) के अन्तर्गत किसी वस्तु के सम्बंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :—

(i) व्यापार के सामान्य क्रम में समान वस्तु के लिए तुलनात्मक मूल्य, जब वह निर्यात देश या राज्य क्षेत्र में उपभोग के लिए हो, जैसाकि उपधारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार इसका निर्धारण किया गया है; या

(ii) जब निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य क्रम में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो, या जब किसी विशेष बाजार स्थिति के कारण अथवा निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र के घरेलू बाजार में कम बिक्री के कारण ऐसी बिक्रियों की उपयुक्त तुलना की गुंजाईश नहीं हो तब सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :

(क) उपधारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार, यथा निर्धारित समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, जब इसका निर्यात निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए; या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, जिसमें प्रशासनिक लागत, बिक्री लागत तथा सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उचित राशि जोड़ी गई हो इसका निर्धारण उपधारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाता है।

बशर्ते कि उद्गम वाले देश से इतर किसी अन्य देश से उक्त वस्तु के आयात के मामले में, जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से केवल जहाज भेजा गया है या ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात वाले देश में नहीं होता है या निर्यात वाले देश में कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं है तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

11. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच निष्कर्षों में सामान्य मूल्यों का निर्धारण धारा 9(क) (1) ग (1) के अनुसरण में किया है, जिस पर किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा विवाद नहीं उठाया गया है। इसलिए, इस प्रावधान के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण की पुष्टि की जाती है।

12. प्राधिकारी द्वारा किए गए समायोजनों के संबंध में साइटिक और थाई एक्रिलिक द्वारा दिए गए तर्कों का उल्लेख पहले किया जा चुका है। साइटिक और थाई एक्रिलिक ने अपने दावों को साबित करने के लिए और साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। अंतिम जांच निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए सामान्य मूल्यों में किए गए समायोजनों पर नीचे विचार किया जाता है।

**साइटिक इंडस्ट्रीज लि.**

13. अपने प्रारम्भिक जांच-परिणामों में प्राधिकारी ने माना है कि साइटिक ने ग्राहकों को अपने अन्तिम प्रयोग पर आधारित छूट देकर फाइबर बेचा है। जाँच-दल के समक्ष निर्यातक द्वारा यह प्रमाणित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि जिस मूल्य पर भारतीय आयातकों के साथ माल का सौदा किया गया था उसमें क्या भारतीय आयातकों के अन्तिम प्रयोग को भी ध्यान में रखा गया है। यहाँ तक कि भारतीय आयातकों ने भी यह संकेत नहीं दिया है कि उन्हें पेशकश की गई कीमतों का कोई संबंध उस अन्तिम प्रयोग से है, जिसमें उनके



तैयार उत्पाद का इस्तेमाल किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस विशेष मामले में अन्य घरेलू ग्राहक, ग्राहक सं. 2 को भी बिना किसी छूट के माल बेचा गया है। इन परिस्थितियों में ग्राहक सं. 2 द्वारा दी जाने वाली कीमतें, निर्यात मूल्य के लिए बेहतर और अधिक उपयुक्त तुलना प्रस्तुत करती हैं। इसलिए प्राधिकारी ने निर्यात-मूल्य के साथ तुलना करने के उद्देश्य से ग्राहक सं. 2 की कीमत को सामान्य मूल्य के रूप में माना। यह माना गया कि ग्राहक सं. 2 को समायोजन के रूप में छूट दिए जाने के कारण केवल यही नहीं है कि ग्राहक-1 को दिया गया छूट हित मूल्य उपलब्ध है, बल्कि इसका औचित्य यह है कि अन्तिम-प्रयोग पर आधारित छूट या बढ़ा निर्यातकों को भी उपलब्ध नहीं है जैसा कि रिकार्ड में दिए गए तथ्य इंगित करते हैं।

साइटेक ने इस सुझाव के लिए कोई साक्ष्य अभी तक प्रस्तुत नहीं किया है कि अन्तिम-प्रयोग आधारित छूट निर्यातकों के मामले में भी उपलब्ध थी। निर्यातक ने केवल यह दलील दी है कि निर्यातक द्वारा किए गए सभी खर्चों की अनुमति दी जानी चाहिए। साइटेक ने इस संदर्भ में ई. यू. यू. एस और आस्ट्रेलिया के कानूनों के संगत प्रावधानों का उल्लेख किया है।

साइटेक ने यह भी स्वीकार किया है कि यह घरेलू बाजार तथा निर्यात बाजार के केवल सुनकरों को ही बेचती है और यार्न के अन्तिम प्रयोग पर निर्भर रहते हुए कम्पनी यार्न के अन्तिम ग्राहक को छूट देती है। हालांकि छूट की स्वीकृति पूर्व-निर्धारित छूट कार्यक्रम के अन्तर्गत दी जाती है फिर भी साइटेक कम्पनी को उपलब्ध कराए गए अन्तिम-प्रयोग (ग्राहकों आदि को बिक्री द्वारा) के प्रमाण के बाद ही छूट देती है। कम्पनी ने स्पष्ट रूप से यह स्वीकार किया है कि बिक्री के समय छूट नहीं दी जाती है। भार या प्रमात्रा के संबंध में बिक्री के समय जिन छूटों के बारे में जानकारी रहती है उनके बारे में विक्रय-मूल्य के आधार पर समायोजन के रूप में अनुमति नहीं दी जा सकती है।

अतः साइटेक द्वारा ग्राहक सं.-1 को दी गई छूट स्वीकार्य नहीं है और प्राधिकारी ने ग्राहक सं.-2 की कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है जैसाकि प्रारम्भिक जाँच-परिणामों में किया गया था।

**वाणिज्यिक व्यय:**— साइटेक ने कम्पनी द्वारा निकाले गए विपणन एवं अन्य व्ययों के परिकलन को दर्शाने वाला एक विस्तृत विवरण-पत्र प्रस्तुत किया है। विक्रय-खर्चों के संबंध में कम्पनी का दावा प्राधिकारी द्वारा प्रारम्भिक निर्धारण के समय इस आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया कि साइटेक द्वारा यह प्रमाणित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया कि ये विक्रय-व्यय केवल घरेलू बाजार में अनन्य रूप से बिक्री पर बहन किए गए थे। साइटेक ने अभी भी इस सुझाव के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि उसने ये खर्चे मात्र घरेलू बिक्री पर ही किया है, जैसाकि कम्पनी द्वारा दावा किया गया है। अतः दावा रद्द किया जाता है।

#### कारपोरेट व्यय :

साइटेक ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि कारपोरेट व्यय में एक्रिलिक को इसके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के लिए मूल निगम से फाइबर व्यापार का आर्बंटन करना शामिल है, ये घरेलू और निर्यात बिक्री पर समान रूप से लागू हैं। चूंकि ये व्यय घरेलू एवं निर्यात बिक्रियों दोनों पर समान रूप से लागू होते हैं, इसलिए इसका समायोजन आवश्यक नहीं है। प्राधिकारी साइटेक के मामले में सामान्य मूल्य-निर्धारण के संबंध में प्रारम्भिक जाँच-परिणामों में किए गए समायोजनों और अपनाई गई कार्य-प्रणाली की पुष्टि करते हैं।

#### थाई एक्रिलिक फाइबर :

14. थाई एक्रिलिक के मामले में सामान्य मूल्य-निर्धारण के लिए अपनाई गई कार्य-प्रणाली और किए गए समायोजनों जिनकी अनुमति दी जा सकती है, पर नीचे चर्चा की गई है।

**विक्रय-मूल्य :** चूंकि, थाई एक्रिलिक ने घरेलू बाजार में की गई सभी बिक्रियों के विवरण प्रस्तुत कर दिए हैं, इसलिए विक्रय-मूल्य के संबंध में कम्पनी के दावे को स्वीकृति दे दी गई है। कम्पनी ने अब पहले किए गए 2791 यू. एस. डालर के दावे की अपेक्षा 2793 यू. एस. डालर के विक्रय-मूल्य का दावा किया है।

घरेलू बाजार में थाई एक्रिलिक द्वारा की गई सभी बिक्रियों के संबंध में जोखिम भरने के लिए छूटों, कमीशनों, गारंटी-कमीशन के कारण किए गए समायोजनों के दावों को स्वीकृति दे दी गई है। जहाँ तक उधार पर की गई बिक्री का संबंध है, कंपनी द्वारा व्याज के कारण समायोजन को भी प्रमाणित कर इसकी स्वीकृति दे दी गई है।

जब निर्यात के माल के भण्डार लागत के साथ घरेलू उपभोग के माल की भण्डार लागत की तुलना की जाती है तो भण्डारण समय में अंतर के परिणामस्वरूप अलग-अलग लागत आती है, उसका कारण निर्यातक ने समायोजन का दावा किया है। भण्डारण की लागत के कारण समायोजन की अनुमति नहीं है क्योंकि कीमतों में अंतर के कारण न तो उत्पादन में इसका कोई योगदान है और न ही वे किसी कार्य/गतिविधि से संबंध हैं, जो कि दोनों में से किसी भी एक बाजार में अनन्य रूप से बिक्री के संबंध में की जाती है।

लाइन-1 और लाइन-2 उत्पादन और लाइन-2 सामग्री की अतिरिक्त लागत के कारण किए गए समायोजनों के दावों के संबंध में निर्यातक ने न तो प्रत्येक लाइन से उत्पादन एवं बिक्री की श्रेणीवार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं और न ही घरेलू और निर्यात बाजार में की गई श्रेणीवार बिक्री ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। अतः निर्यातक यह सिद्ध करने में असफल रहा है कि निर्यात बिक्री से संचालित किसी भी गतिविधि के कारण इसके द्वारा कोई लागत अनन्य रूप से बहन की गई है। अतः इन कारणों से दावे अस्वीकृत किए जाते हैं।

पूर्वोक्त को छोड़कर थाई एक्रिलिक के मामले में सामान्य मूल्य निर्धारण के संबंध में प्रारम्भिक जाँच-परिणाम पुष्ट हैं ।

#### कोरिया गणराज्य से मोन्सेंटों एण्ड एक्सपोर्टर्स

15. चूंकि, मोन्सेंटों ने आलोच्य अवधि में भारत को किसी भी एक्रिलिक फाइबर का निर्यात नहीं किया है, इसलिए इस पर नियम 22 लागू होता है। इसलिए प्राधिकारी ने मोन्सेंटों के मामले में अतिरिक्त राशि पृथक् रूप से निर्धारित नहीं की है। कोरिया गणराज्य के निर्यातकों से उत्तर नहीं मिला है। कोरिया गणराज्य के निर्यातों के मामले में पाटन (सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत) संबंधी प्रारम्भिक जाँच-परिणामों की पुष्टि की जाती है।

#### छ. डमिंग मार्जिन

16. प्रारम्भिक जाँच-परिणामों में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में की गई तुलना के लिए अपनाई गई कार्य-प्रणाली के विरुद्ध कोई तर्क नहीं किया गया है और इसलिए तुलना के संबंध में प्रारम्भिक जाँच-परिणाम पुष्ट हैं। संशोधित पाटन की मात्रा इस प्रकार आती है :

निर्यातक	पाटन की मात्रा (निर्यात मूल्य का %)
<b>यू एस ए से निर्यात</b>	
(क) साइटेक इंडस्ट्रीज	
1.5 डेनियर की स्थिति में	9.3%
1.7 डेनियर की स्थिति में	शून्य
कोई अन्य डेनियर की स्थिति में	9.3%
(ख) अन्य कोई निर्यातक	64.29%
<b>थाईलैण्ड से निर्यात</b>	
(क) थाई एक्रिलिक फाइबर	14.34%
(ख) अन्य कोई निर्यातक	14.34%
कोरिया गणराज्य	40.69%

#### ज. क्षति

17. हितबद्ध पार्टियों के इस तर्क को कि घरेलू उद्योग की बिक्री और/या उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसीलिए घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है, नहीं माना जा सकता है। इस तर्क को भी नहीं माना गया है कि साइटेक से हुए आयात से अधिक वृद्धि नहीं हुई है। और इसीलिए घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में प्रारम्भिक निष्कर्ष संबंध देशों में से किसी एक देश से हुए आयातों पर आधारित नहीं है और न ही घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले किसी एक मापदण्ड जैसे उत्पादन, बिक्री, स्टॉक, लाभ/हानि इत्यादि पर आधारित है। प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा 39 (ड) में बिल्कुल स्पष्ट किया है कि घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न सूचक सम्मिलित रूप से और संचयी रूप से इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। चूंकि एक से अधिक देशों से होने वाले आयात की प्रतिपाटन जाँच एक साथ की जा रही है इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन इन देशों से हुए आयातों के आधार पर संचयी रूप से करना होगा क्योंकि अनुबंध 11 में विनिर्दिष्ट शर्तें पर्याप्त रूप से पूरी होती हैं। प्रारम्भिक निष्कर्षों के पैरा 31 में बताया गया है कि संबंध देशों से हुए आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है। प्रारम्भिक निष्कर्षों में किए गए संचयी मूल्यांकन के संबंध में कोई तर्क नहीं किया गया है।

यह तर्क कि थाईलैंड से आयात 119 रु. की औसत बिक्री वसूली की तुलना में 122 रु. प्रति कि.ग्रा. के औसत मूल्य पर उपलब्ध था, अस्वीकार कर दिया गया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि आयातों की पहुंच कीमत (सीमा शुल्क का प्रचलित स्तर और अतिरिक्त शुल्क शामिल है) को थाई एक्रिलिक की निचली बिक्री वसूली (उत्पाद शुल्क को छोड़कर) के साथ तुलना की गई है और इसीलिए, यह तुलना गलत है। साइटेक का यह तर्क कि वर्तमान जांचों के लिए 1992-93 और 1993-94 की तुलना में वर्ष 1994-95 के स्टॉक में कमी आई है, असंगत है, क्योंकि प्राधिकारी ने वर्तमान जांचों के उद्देश्य से जांच अवधि अप्रैल-सितम्बर, 1995 को माना है और वर्ष 1994-95 जांच अवधि के बाहर है।

साइटेक द्वारा दिए गए इस तर्क की पुष्टि नहीं की जा सकती है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि एक्रिलोनीट्राइल के मूल्य में वृद्धि के कारण हुई है क्योंकि एक्रिलोनीट्राइल के मूल्य में पर्याप्त वृद्धि न केवल घरेलू उद्योग के लिए बल्कि पूरे विश्व में हुई है।

याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए दावों की तुलना में साइटेक द्वारा किए गए निर्यातों के लिए आयातों की पहले से कम पहुंच कीमत के बारे में प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर पहुंच कीमत का निर्धारण किया है, और इस प्रकार इस संबंध में याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए दावे अप्रासंगिक हैं।



उपर्युक्त को देखते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

#### झ. कारणात्मक संबंध

18. यह प्रमाणित करने के लिए कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, प्राधिकारी ने निम्नांकित बातों पर विचार किया :
- क. कथित देशों से आयातों के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमतों में कटौती करने की स्थिति उत्पन्न हो गई;
- ख. कथित देशों से आयातों के कारण कीमतों को रोकने की स्थिति आ गई और घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें बढ़ाने से रोक दिया;
- ग. कथित देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग अपने उत्पाद को उचित कीमत से काफी कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर हुआ, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय हानि हुई।

इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई।

#### ज. अन्य मुद्दे

19. मौजूदा जाँच पर निर्णय देने के लिए एक्रिलिक फाइबर पर लागू शुल्क की तुलना में विस्कोज पर सीमाशुल्क का स्तर अप्रासंगिक है भले ही वह ज्यादा हो या कम।

मौजूदा जाँच के लिए, जाँच-अवधि के बाद की अवधि में बिक्री कीमत में वृद्धि अप्रासंगिक है। किन्तु कोई भी इच्छुक पार्टी (पार्टियाँ) समीक्षा के लिए अनुरोध कर सकती है, अगर-जाँच अवधि के बाद की अवधि में परिस्थितियों में वास्तविक रूप से परिवर्तन हुआ है।

यह तर्क अप्रामाणिक और निष्कर्ष विहीन है कि झाई स्पन फाइबर का कार्य निष्पादन वेट स्पन फाइबर की तुलना में 5% कम है या पशुपति एक्रिलोन को छोड़कर अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित फाइबर में कुछ खामियाँ हैं। इस प्रकार इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

#### ट. अन्तिम जाँच-परिणाम

20. उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि;
- \* यू.एस.ए., थाईलैंड और कोरिया आर.पी. के उद्गम वाले या वहाँ से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
  - \* घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
  - \* घरेलू उद्योग को यह क्षति यू.एस.ए. कोरिया आर.पी. एवं थाईलैंड से उद्गम वाले या वहाँ से निर्यातित निर्यात के कारण हुई है।

प्राधिकारी प्रतिपाटन शुल्क लगाने के बारे में प्रारम्भिक जाँच-परिणाम की पुष्टि करते हैं तथा कथित देशों से उद्गम वाले या वहाँ से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के सभी आयातों पर नीचे दी गई निर्धारित दरों पर निश्चित प्रतिपाटन शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं :

निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि (रु. प्रति कि.ग्रा.)
<b>यू.एस.ए. से निर्यात</b>	
I. साइटेक इंडस्ट्रीज इन्क.	
—1.5 डेनियर के मामले में	6.30
—1.7 डेनियर के मामले में	—
—किसी अन्य डेनियर के मामले में	6.30
II. कोई और निर्यातक	42.93
<b>थाईलैंड से निर्यात</b>	
थाई एक्रिलिक फाइबर	9.73
कोई और निर्यातक	9.73
कोरिया गणराज्य	22.27

प्राधिकारी, उपर्युक्त के अधीन दिनांक 31-3-1997 के प्रारम्भिक जाँच परिणाम की पुष्टि करते हैं। इस आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील सीमाशुल्क, आबकारी एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के तहत उक्त अधिनियम के अनुसार की जा सकती है।

2588-GI/97-2.

दीपक चटर्जी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE****NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th October, 1997

**FINAL FINDINGS**

**SUBJECT :** Anti dumping investigation concerning imports of acrylic fibre from Thailand, Korea RP and USA - Final Findings.

**No. 47/ADD/IW :—**Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

**A. PROCEDURE**

1. The Procedure described below has been followed :

- (i) The designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide Notification No. 47/ADD/IW dated the 31st March, 1997 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication.
- (ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to all known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
- (iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies of Thailand, the United States of America (also referred to as USA hereinafter) and the Republic of Korea (also referred to as Korea or Korea RP hereinafter) in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
- (iv) The Authority held a public hearing on 7th July, 1997 to hear views orally. All the parties attending the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the written submissions by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals. The following parties attended the hearing :
  - \* The petitioners;
  - \* Thai Acrylic Fibre Company, Thailand - directly as also through their representatives, M/s. Laxmikumaran & Sridharan;
  - \* Cytec Industries, USA - through their representatives, M/s. Amarchand & Mangaldas & Suresh A. Shroff & Co.;
  - \* Monsanto Company, USA;
  - \* Rajasthan Spinning & Weaving Mills Ltd;
  - \* Indian Spinners Association;
  - \* Nahar Spinning Mills Ltd;
  - \* Adinath Textiles Ltd.;
- (v) In accordance to Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all the known interested parties. Comments received on the same have also been duly considered in these finds;
- (vi) The investigations have been concluded within the time limit extended by the Central Government;
- (vii) Information which has been claimed as confidential by any of the interested party's and accepted as confidential by the Designated Authority, has not been disclosed in the notification. The symbols "\*\*\*\*" throughout this notification indicate confidential information.

**B. PETITIONER'S VIEWS**

3. The petitioner raised the following arguments :

- (i) The exporters from the subject countries have continued to dump their product in the Indian market. The dumping has intensified from these countries, which is evident from the fact that the exporters from USA and Thailand have reduced their prices to US \$ 1.375 and 1.450, which is 25-40% lower than the prices in the investigation period. The petitioners enclosed an invoice dated 25-7-1996 to establish the export price of US \$ 1.375 from USA;

- (ii) There is constant threat of injury to the domestic industry from imports from these countries;
- (iii) Sales of the domestic industry in the investigation period would have been still lower, had the domestic industry not tried to increase the same by reducing the prices;
- (iv) The stocks with the domestic industry were significantly higher not only at the end of the investigation period, but also during the whole of the investigation period.
- (v) Not only the domestic industry, but also the whole of the Indian Industry suffered financial losses from sale of acrylic fibre at prices lower than the cost of production.
- (vi) The reduction in customs duties from 45% to 30% has not been considered by the Authority while recommending the provisional duties and the same should be considered for the final findings;
- (vii) The various indicators affecting domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury;
- (viii) The contention of Thai Acrylic that their production from line A is cheaper and sales from line B in the domestic market is higher seems to be farce to misguide the Authority;
- (ix) The contention of Cytec that discount on end uses given in the domestic market in USA should be allowed, is untenable;
- (x) The financial statement and the balance sheets of all the major Spinning companies have shown a tremendous growth and profits in the last three years. These companies are beneficiary of the dumped prices, from these countries;
- (xi) The contention of the consumers that the anti dumping duty would affect the exports of knitwears has no basis, as no duties (including anti dumping duties) are payable by the exporters, on imports of inputs for exports;
- (xii) The allegations of poor quality, non-supply of material or price fluctuations are untenable.

#### C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

4. The views expressed by the exporters, importers consumer associations and other interested parties are briefly as follows —

- (1) **Cytec Industries :**
- (a) **On normal value :**
- (i) Cytec sells only to the spinners in the domestic market as also in the export market. Depending upon the end use of the yarn Cytec gives rebates to the final consumer of yarn. The giving of the rebate is under a pre-determined rebate programme.
- (ii) Disallowance of the rebate on the ground that no such rebate is being given by Cytec in the export market is erroneous. It is necessary to deduct all expenses including thereon packing incurred by the company the moment the product leaves the factory. Normally the factors for which adjustments can be made include physical characteristics, import charges, indirect taxes, discounts, rebates and quantities, level of trade, transport insurance, handling, loading and ancillary costs, packing, credit, after-sales cost, commissions, and currency conversions.
- (iii) Article 2(10)(c) of the European Commission regulation provides that an adjustment shall be made for differences in discounts and rebates if :
  - \* the rebate is directly related to the sales under investigation;
  - \* the rebate is actually paid;
  - \* the rebate amount is fixed or is determinable;
  - \* rebate is based on standard business practise or a pre-established rebate schedule;
  - \* rebate is given to unrelated purchasers.
- (iv) In instant case, the rebate claimed is directly related to the sales under investigation, has been actually paid, was under an established rebate programme and given to unrelated persons. The rebate given is liable to be deducted.
- (v) Considering the Australian laws also (where a function undertaken in relation to a domestic sale, which is not undertaken in relation to the export sale, the value of that function has to be deducted), the rebate allowed on 1.5 denier sold in the domestic market is liable to be deducted from the normal value.
- (vi) Under the US laws also, the Department of Commerce reduces the gross selling price by the amount of rebate, when the seller establishes the terms and conditions under which the rebate will be granted.
- (vii) *Commercial Expenses:* Disallowance of selling expenses by the Authority is incorrect. It would be necessary to deduct expenses attributable to Technical Fibres business. Full details of selling expenses which includes the

salaries, travel and related costs of the domestic sales force were furnished by the company to the investigating team. Total domestic commercial expenses works out to US \$ 0.0543 per pound, which should be allowed by the Authority.

- (viii) Corporate expenses: Disallowance of corporate expenses by the Authority is incorrect. Corporate expenses consists of allocations of acrylic fibre business from the parent corporation for services they provide and these apply equally to domestic and export sales.

(b) On injury

There is no injury caused to the domestic industry as a result of exports by Cytec in view of the following:

- (i) Sales have increased in 1994-95 over 1992-93 and 1993-94.
- (ii) Stocks have declined for all manufacturers in 1994-95 over 1992-93 and 1993-94;
- (iii) Domestic industry has higher production costs than Cytec for reasons particular to its economy. Its cost of production increased because of increase in the prices of Acrylonitrile;
- (iv) Cytec has exported only 103.78 MT to India during the investigation period which is very small as compared to total imports of 5622 MT in 1995-96;
- (v) Landed value of imports from Cytec was higher than the value claimed by the petitioners;
- (vi) Trend of imports is not sufficient to come to the conclusion that exports of acrylic fibre, in particular from Cytec, have caused any injury to the domestic industry.

(II) Monsanto Company:

- (i) Monsanto Company (hereinafter referred to as Monsanto) claimed that its sales records do not show any shipments of acrylic fibre to India during the past five years 1991 to 1996. The Company attached copies of their sales data showing sales to different countries. The company claimed that it has no knowledge or reason to believe that a customer of Monsanto's first grade fibre has resold such first quality fibre to India:
- (ii) Monsanto further claimed that it sells its off grade acrylic fibre to one company, who might have exported some off grade fibre to India, which is beyond the knowledge of the company:

(III) Thal Acrylic Fibre :

- (a) The investigation period being considered by the Authority coincides with the period when the Acrylonitrile prices were very high. The high prices of Acrylonitrile could not be passed on fully to the consumers of acrylic fibre. No reasons for deciding the investigation period have been recorded by the Authority in the preliminary findings. The preliminary findings and the investigation are liable to be terminated on the ground of bias in deciding the investigation period.
- (b) The argument that J K Arcylic stopped production because of dumping is not correct. The company has not started till date. The company is facing problems on other fronts.
- (c) The argument that the Indian industry has a capacity of 165000 MT as against the demand of 120000 by the year 2000 AD does not mean that there is sufficient capacity and hence imports are not necessary.
- (d) The claim of the domestic industry that customs duties on acrylic fibre have come down has to be seen in the light of the fact that duty on raw material, especially Acrylonitrile has also come down.
- (e) On dumping : The Authority should re-determine the dumping margin after taking into account the following :
  - (i) The conclusion in the preliminary findings under para 19(i), that normal value was based on four orders, is erroneous. The normal value was based on the quantity of acrylic fibre actually supplied to the four customers, which accounted for 96% of the total sales in the domestic market. The company has now made available information with regard to the remaining 4% domestic sales. The normal value should be determined accordingly;
  - (ii) Discounts, commissions and interests claimed by the company have all been based on actual amounts, full information about which was made available to the investigation team. This information has again been made available in the rejoinder and the deductions claimed should be re-determined based on the information now supplied;
  - (iii) The claim on account of storage to be allowed. The company has made available invoice-wise details of the holding in the rejoinder;

- (iv) The deduction on account of cost difference in production from lines I and II should be allowed. The exporter has incurred extra costs in producing acrylic fibre on line II, resulting in higher price in the domestic market;
- (v) Details of the amount of duty drawback arrived at by the Authority are not available and therefore, no additional details or comments can be furnished by the exporter;
- (vi) The exporter has now furnished details of ocean freight incurred by it during the entire investigation period on account of exports to India and claimed that adjustment on account of ocean freight should be allowed on the basis of this information now made available;
- (vii) Details of the storage cost incurred on export consignments have been furnished invoice-wise and the Authority should allow adjustment on the basis of average storage period in case of exports.
- (f) On injury and casual link :
  - (i) The domestic industry should have realised Rs. 122 per kg. (landed price of imports from Thailand, including customs duty and countervailing duty), whereas as per the findings of the Authority, the realisation was Rs. 119 per kg. The entire injury findings based on price suppression is, therefore, factually incorrect.
  - (ii) The casual link between the alleged dumped imports and the injury to the domestic industry in the preliminary findings is vague. Considering that the reduction in customs duties has no impact on dumping per se and the margin of dumping on exports from Korea and USA (except for one exporter) has been much higher than that of Thailand, the injury to the domestic industry is due to factors other than dumping by Thailand.
- (IV) **Other Interested parties :** The consumers, importers, trade association and other interested parties have raised the following arguments :
  - (i) The acrylic fibre has been imported for export of acrylic yarn. If the quantity of acrylic fibre imported and consumed for exports is excluded, the balance quantity forms a very small percentage of indigenous capacity and annual production;
  - (ii) The quality of the Indian fibre is much inferior to the imported material;
  - (iii) Import duty on acrylic fibre is 30 percent as against 25 percent on viscose fibre. Acrylic fibre is already over-protected; by higher duty;
  - (iv) Imposition of anti-dumping duty on acrylic fibre would cause tremendous harm to about 50000 units in small scale sector producing knitwear;
  - (v) The problems of acrylic fibre producers do not stem from imports, but the same is because of their own management or technological deficiencies. Closure of J K Synthetics is not because of imports but because of their own financial and other problems;
  - (vi) The domestic industry increased prices from about Rs. 89 per kg. to Rs. 95 per kg., as soon as the anti-dumping duty was imposed;
  - (vii) Working performance of dry spun fibre is 5 per cent lower as compared to wet spun fibre;
  - (viii) Quality of Pashupati Acrylon's fibre is very excellent but quality of others is not comparable. Import of the fibre in the country is essential;
  - (ix) Except for the acrylic fibre produced by Pashupati, other Indian fibre suffers from the following deficiencies:
    - \* Strength of fibre in case of Indian Acrylic is weak;
    - \* Dye pick up is lower 5% to 7%;
    - \* Loading of fibre is less by 6% to 8%;
    - \* Yarn level of imperfection is high;
    - \* Superior quality yarn for export can not be produced by domestic fibre except of Pashupati fibre.
  - (x) Flexibility in fibre price of Indian producers is very high.
  - (xi) There are problems in availability of fibre from the Indian producers.
  - (xii) The stock levels with the domestic industry were not high, as brought out in the preliminary findings.
  - (xiii) Consumers, who are exporting yarn, have to necessarily import the fibre as the domestic industry is not supplying against advance licence.
  - (xiv) In case any anti-dumping duty is to be imposed, imports under pre-export duty entitlement pass book scheme should be exempted from payment of such duty.



**D. EXAMINATION BY AUTHORITY**

5. The submissions made by the petitioners, exporters, importers and other interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt hereinafter.

**E. LIKE ARTICLES AND DOMESTIC INDUSTRY**

6. Under Rule 2(d) "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.
7. The product under consideration which has been investigated for dumping has been defined in the preliminary findings, which is acrylic fibre.
8. Arguments have been raised that quality of the acrylic fibre produced by the Indian industry is not comparable with the imported fibre. Argument has also been raised by one of the parties, M/s. Shuti Synthetics Ltd. that the fibre produced by Pashupati is of excellent quality. It has not, however, been disputed by any interested party(ies) that the article produced by the domestic industry were substitutable by the articles imported from the subject countries—both commercially and technically. The articles produced by the domestic industry, therefore, have characteristics closely resembling those of the article under investigation and the criteria prescribed in the definition under Rule 2(d) are adequately satisfied.
9. The Authority confirms para 9 of the preliminary findings and confirms that acrylic fibre produced by the domestic industry is a like article to the product under consideration i.e., acrylic fibre exported to India originating in or exported from the subject countries within the meaning of the rules supra.

**F. DUMPING**

10. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means :
  - (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either—
    - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
    - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) :

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

11. The Authority determined normal values in the preliminary findings in accordance with the Section 9(A)(1)(c)(i) which has not been disputed by any interested party. Determination of normal value in accordance with this provision is, therefore, confirmed.
12. The arguments raised by Cytec and Thai Arcylic with regard to adjustments made by the Authority have been mentioned earlier. Cytec and Thai Arcylic adduced further evidence to substantiate their claims. The adjustments which have been carried out in the normal values for the purpose of final findings are discussed hereinbelow.

**Cytec Industries Ltd.**

13. In the preliminary findings, the Authority considered that Cytec has sold fibre to Customer 1 with rebate based on its end-use. No evidence was produced by the exporter before the investigating team to establish that the price at which goods were transacted with the Indian importers also took into consideration the end-use the importers are catering to. Even the Indian importers have not indicated that the prices offered to them have any relation to the end-use their finished products would be put to. Moreover, in this particular case the articles have also been sold to another domestic customer, namely, Customer 2 without



any element of rebate. In the circumstances, prices to Customer 2 offer a better and more appropriate comparison to the export price. The Authority, therefore, considered the price to Customer 2 as the normal value for the purpose of comparison with the export price. It was also considered that the rebate to Customer 1 is not admissible as an adjustment not due to the fact that non-rebated price to Customer 2 is available but on the rationale that the end-use based discount or rebate is not available to the exporters also as indicated by the facts on record.

Cytec has still not adduced any evidence to suggest that the end-use based discounts or rebates were available in case of exports also. The exporter has merely argued that all expenses incurred by the exporters should be allowed. Cytec has cited the relevant provisions of EU, US and Australian laws.

Cytec has also admitted that it sells only to the spinners in the domestic market as also in the export market and depending upon the end use of the yarn, the company gives rebates to the final consumer of yarn. Although, the grant of rebate is under a pre-determined rebate program, Cytec gives rebates after the proof of the end-use (by way of sales to customers, etc.) is made available to the company. The company has very clearly admitted that the rebates are not given at the time of the sales. Discounts and rebates which are not known at the time of sale, either in terms of incidence or quantum, cannot be permitted as an adjustment having a bearing on sales price.

The rebate given by Cytec to Customer 1 is, therefore, not admissible and the Authority has determined Normal value based on the prices to Customer 2, as was done at the time of preliminary findings.

*Commercial expenses :* Cytec furnished a detailed statement showing calculation of marketing and other expenses worked out by the company. Claim of the company on account of selling expenses was disallowed by the Authority at the time of preliminary determination on the grounds that there was no evidence adduced by Cytec to establish that these selling expenses were incurred exclusively on sales in the domestic market only. Cytec has still not adduced any evidence to suggest that these expenses were incurred exclusively on domestic sales force, as contended by the company. The claim is, therefore, rejected.

*Corporate expenses :* Cytec itself has accepted that corporate expenses consist of allocations to acrylic fibre business from the parent corporation for services they provide and *these apply equally to the domestic and the export sales*. Since the expenses equally apply to both the domestic and the export sales, no adjustment on account of the same is necessary.

The Authority confirms the methodology adopted and adjustments carried out in the preliminary findings with regard to the determination of normal value in case of Cytec.

#### **Thai Acrylic Fibre :**

14. The methodology adopted and adjustments that may be allowed for determination of normal value in case of Thai Acrylic are discussed thereinbelow.

*Selling prices :* Since Thai Acrylic has furnished details of all sales made in the home market, the claim of the company with regard to selling price has been allowed. The company has now claimed selling price of US \$ 2793 as against US \$ 2791 claimed earlier.

Adjustments claimed on account of discounts, commissions, guarantee commission to cover risks with respect to all the sales made by Thai Acrylic in the home market have been allowed. Adjustment on account of interest has also been substantiated by the company in so far as the sales on credit are concerned and, therefore, allowed.

The exporter has claimed adjustment on account of difference in storage time resulting in different storage costs for goods meant for domestic consumption when compared to those meant for export. Adjustment on account of storage cost is not allowed as the same is neither attributable to production costs accounting for difference in prices nor are they related to any function/activity which is carried out exclusively in respect of sales in either of the two markets.

With regard to the adjustments claimed on account of Line I & Line II production and extra costs of Line II material, the exporter has neither furnished grade wise details of production and sales from each line nor furnished details of grade wise sales made in the domestic and export market. The exporter has, therefore, failed to establish that any cost has been exclusively incurred by it on account of any activity conducted with the export sales. The claims on these account are, therefore, rejected.

Except for the foregoing, the preliminary findings with regard to the determination of normal value in case of Thai Acrylic are confirmed.

**Monsanto & Exporters from Korea RP**

15. Since Monsanto has not exported any acrylic fibre to India during the investigation period, it attracts rule 22. The Authority has, therefore, not determined separate margin in case of Monsanto.

There is no response from the exporters from Korea RP. The preliminary findings with regard to dumping (normal value and export price) in case of exports from Korea RP are confirmed.

**G. DUMPING MARGIN :**

16. There is no argument raised against the methodology adopted for the comparison of normal value and export price in the preliminary findings and therefore, preliminary findings with respect to the comparison are confirmed. The revised dumping margin comes as follows :

Exporter	Dumping margin (% of export price)
<u>Export from USA</u>	
A. Cytec Industries	
- in case of 1.5 denier	9.3%
- in case of 1.7 denier	—
any other denier	9.3%
B. Any other exporter	64.29%
<u>Export from Thailand</u>	
A. Thai Acrylic Fibre	14.34%
B. Any other exporter	14.34%
Korea RP	40.69%

**H. INJURY**

17. The arguments of the interested parties that the sales and/or production of the domestic industry have increased and, therefore, domestic industry has not suffered injury, cannot be accepted. The argument that imports from Cytec did not increase substantially and therefore the domestic industry has not suffered injury is also not accepted. Preliminary findings with regard to the injury to the domestic industry are not based on imports from any one of the subject countries or any single parameter affecting the domestic industry, such as production, sales, stocks, profit/losses etc. The Authority has very clearly held in para 39(a) of the preliminary findings that various indicators relating to the domestic industry, *collectively and cumulatively* establish that the domestic industry has suffered material injury. Since imports from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the injury to the domestic industry has to be assessed cumulatively from the imports from these countries, as the conditions specified in Annexure II are adequately satisfied. Para 31 of the preliminary findings states that cumulative assessment of the effect of imports from the subject countries is appropriate. No argument with regard to the cumulative assessment done in the preliminary findings has been made.

The argument that imports from Thailand were available at an average price of Rs. 122 per kg. as against an average sales realisation of Rs. 119 is also rejected. The Authority notes that landed value of imports (including the prevailing level of custom duty and additional duty) has been compared by Thai Acrylic with the net sales realisation (which is exclusive of excise duty) and therefore, the comparison is incorrect.

The argument of Cytec that the stocks declined in 1994-95 as compared to 1992-93 and 1993-94 is irrelevant for the present investigations, as the investigation period considered by the Authority for the purpose of the present investigations is Apr.-Sept., 1995 and the year 1994-95 is beyond the investigation period.

The argument raised by Cytec that the cost of production of the domestic industry increased because of increase in the prices of Acrylonitrile is not sustainable as the prices of Acrylonitrile increased significantly not only for the domestic industry but also worldwide.

With regard to lower landed value of imports for the exports made by Cytec than the claims made by the petitioners, the Authority has determined the landed values on the basis of the information furnished by the exporters, and, therefore, the claims made by the petitioners in this regard are irrelevant.

The Authority, in view the foregoing, confirms the preliminary findings with regard to the injury to the domestic industry.

## I. CASUAL LINK

18. In establishing that injury has been caused to the domestic industry by the dumped imports, the Authority took into consideration the following:

- (a) the imports from the subject countries resulted in a situation of price undercutting in the Indian market;
- (b) imports from the subject countries forced a situation of price suppression and prevented the domestic industry from increasing its prices;
- (c) imports from the subject countries forced the domestic industry to sell its produce at a price significantly below its fair price, resulting in financial losses.

The Authority is thus led to the conclusion that the material injury was caused to the domestic industry by the dumped imports.

## J. OTHER ISSUES

19. The level of customs duties on viscose vis-a-vis duties on acrylic fibre, whether higher or lower, is irrelevant to decide the present investigations.

The increase in the selling prices in the post investigation period is irrelevant for the present investigations. Any interested party(ies) may, however, file a request for review in case the circumstances in the post investigation period have substantially changed.

The argument that the working performance of dry spun fibre is 5 per cent lower as compared to wet spun fibre or there are certain deficiencies in the fibre produced by Indian producers, except Pashupati Acrylon, are unsubstantiated and inconclusive and, therefore, cannot be accepted.

## K. FINAL FINDINGS

20. The Authority concludes, after considering the foregoing that :

- Acrylic Fibre originating in or exported from USA, Thailand and Korea RP has been exported to India below its normal value;
- the domestic industry has suffered material injury;
- the injury has been caused to the domestic industry by the exports originating in or exported from USA, Korea RP and Thailand.

The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of Anti-dumping duty and recommends imposition of definitive Anti-dumping Duties on all imports of acrylic fibre originating in or exported from the subject countries at the rates specified below:

Name of the Exporter	Amount of Duty (Rs. per Kg.)
<b>Exports from USA</b>	
I. Cytec Industries Inc.	
- in case of 1.5 denier	6.30
- in case of 1.7 denier	—
- any other denier	6.30
II. Any other exporter	42.93
<b>Exports from Thailand</b>	
Thai Acrylic Fibre	9.73
Any other exporter	9.73
Korea RP	22.27

Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 31-3-1997.

An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control)

Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority

